>

Title: Need to take measures to ensure the return of the innocent labourers who are forced to work as bonded labourers in foreign countries after being trapped by fraudulent travel agents.

श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): हमारे देश में बहुत बड़ी संख्या में श्रमिकों को बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश से पेशेवर दलालों द्वारा कार्य दिलाने के नाम पर एवं बहुत ज्यादा पारिश्रमिक और बहुत सी अन्य सुविधाओं का सब्जबाग दिखाकर एवं गुमराह कर कुछ सही एवं बहुत से फर्जी पासपोर्टों पर उनको विदेशों में ले जाते हैं। वहां पर न तो रहने का ठिकाना होता है और न ही ठीक से कार्य ही मिल पाता है। ऐसी स्थिति में उनको या तो बेसहारा छोड़ दिया जाता है अथवा बहुत ही कम राशि में काम करने को मजबूर किया जाता है। कई बार उनके पासपोर्ट भी छीन कर रख लिए जाते हैं तथा उनको बंधुआ मजदूर बनाकर बहुत ही कम पैसों में मात्र भोजन देकर दिन-रात उनसे कार्य कराया जाता है। बीमार होने पर चिकित्सा की भी सुविधाएं नहीं दिलाई जाती है तथा फर्जी पासपोर्ट होने पर जेल में बंद कराने की भी धमकी दी जाती है। हमारे देश के अशिक्षित एवं अकुशल श्रमिक बहुत बड़ी संख्या में विदेशों विशेषकर अरब राष्ट्रों में कष्टमय नारकीय जीवन जी रहे हैं।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि विदेशों में बंधुआ मजदूर के रूप में कार्य कर रहे श्रमिकों के संबंध में वहां की सरकारों से बात कर उनको वापिस देश में लाए जाने की कार्यवाही करने का सहयोग करें।